नई दिल्ली, 12 जून 2019 दैनिक जागरण III

तैयारी

ग्रेटर नोएडा में समीक्षा बैठक करने वाले राज्य के पहले मुख्यमंत्री होंगे योगी आदित्यनाथ

सीएम योगी ग्रेनो में करेंगे तीनों प्राधिकरणों के कार्यों की समीक्षा

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को ग्रेटर नोएडा में नोएडा, ग्रेटर नोएडा व यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण की समीक्षा करेंगे। यह बैठक ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के कार्यालय में होना संभावित है। ग्रेटर नोएडा में प्राधिकरणों की समीक्षा बैठक करने वाले योगी आदित्यनाथ पहले मुख्यमंत्री होंगे। उनकी बैठक को लेकर प्राधिकरण अधिकारियों के हाथ पांव फूले हैं। अधिकारियों व कर्मचारियों को भय सता रहा है कि कहीं उन्हें मुख्यमंत्री की फटकार न झेलनी पड़ जाए। इसलिए वह बैठक की तैयारी में जुट गए हैं।

गौतमबुद्ध नगर के तीनों औद्योगिक विकास प्राधिकरण प्रदेश सरकार की हमेशा से प्राथमिकता में रहे हैं। प्रदेश सरकार प्राधिकरण क्षेत्र में हुए विकास को मॉडल के रूप में पूरे देश में पेश करती रही है। इसके बावजूद प्राधिकरणों के कार्यों की समीक्षा बैठक गौतमबुद्ध नगर के बजाय हमेशा लखनऊ में होती रही है। गौतमबुद्ध नगर को लेकर मुख्यमंत्री की कुर्सी से जुड़े अंधविश्वास के चलते मुख्यमंत्री यहां आने से परहेज करते रहे हैं। मायावती के बाद योगी आदित्यनाथ दूसरे मुख्यमंत्री हैं, जो जिले में आ चुके हैं। लेकिन जिले में प्राधिकरणों के कार्यों की समीक्षा बैठक करने वाले योगी आदित्यनाथ पहले मुख्यमंत्री होंगे। उनकी बैठक की जानकारी मिलते ही प्राधिकरण के अधिकारियों एवं कर्मचारियों में हड़कंप मच गया है। उन्हें डर सता रहा है कि कहीं उनके कारनामे की पोल मुख्यमंत्री के सामने न खुल जाए। लखनऊ में हुई समीक्षा बैठकों में अधिकारियों के दावों की सच्चाई भी मुख्यमंत्री के सामने आ सकती है। प्राधिकरण क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों में विकास गति बेहद धीमी रही है। अधिकारी व कर्मचारी भ्रष्टाचार का खुला खेल खेलते रहे और विकास पर ध्यान नहीं दिया। इससे खासतौर से ग्रेटर नोएडा का विकास काफी हद तक रुक गया है। औद्योगिक निवेश काफी कम होने के अलावा नगरीय सुविधाओं का ढांचा भी पूरी तरह से चरमरा गया है। अधिकारियों के लालच व लापरवाही की वजह से ग्रेटर नोएडा वेस्ट की बिल्डर परियोजनाएं प्रदेश सरकार के लिए गले की हड्डी बन चुकी हैं। एक ओर से इन परियोजनाओं में निवेश करने वाले दुखी हैं, वहीं प्राधिकरणों को भी भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। प्राधिकरणों का सीएजी ऑडिट भी चल रहा है। मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक में अधिकारियों व कर्मचारियों के कारनामों की असल तस्वीर सामने आ सकती है। इसी का भय अधिकारियों व कर्मचारियों की सता रहा है।

संबंधित खबरें पेज>> V

जेपी परियोजना से जुड़े खरीदारों के लिए होगी अहम बैठक

जासं, नोएडा : समीक्षा बैठक में विगत दो साल व आने वाले दो सालों में बिल्डर बायर्स के मुद्दों को किस तरह से हल किया जाए इसका पूर्ण विवरण दिया जाएगा। वर्तमान में क्या उपलब्धियां रहीं। इसमें जेपी बायर्स की स्थिति क्या है। इसका अवलोकन भी किया जाएगा। नोएडा प्राधिकरण ने इसकी एक रिपोर्ट तैयार की है। इसके तहत 2005 से 2014 तक ग्रुप हाउसिंग में बिल्डर प्रोजेक्ट की संख्या 105 है। इसमें पूर्ण प्रोजेक्ट 40 व निमार्णाधीन प्रोजेक्ट 65 है। इन परियोजनाओं में जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड के कुल स्वीकृत फ्लैटस करीब 34 हजार 334 है। इसमें 2014 तक जेपी को अब तक 12,198 फ्लैटों के लिए कंप्लीशन सर्टिफिकेट (सीसी) जारी कर दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त अप्रैल 2017 से 31 मई 2019 तक कुल 27,174 के लिए फ्लैटों को कंप्लीशन सर्टिफिकेट जारी किए गए हैं। इसमें जेपी इंफ्राटेक के फ्लैट भी शामिल है। जेपी इंफ्राटेक के 798 फ्लैटों के लिए कंप्लीशन सार्टिफिकेट (सीसी) अभी जारी किया जाना है। ऐसे में यह बैठक जेपी के बायर्स के लिए काफी अहम मानी जा रही है।

इन परियोजनाओं की होगी समीक्षा

- शहर में बनाई जा रही भूमिगत पार्किंग (सेक्टर-1,3,5)
- सड़कों की चौड़ीकरण पर किया गया कार्य
- नए विकसित किए जा रहे सेक्टर-155, 156, 157 में सड़क, ड्रेनेज, सीवर, पानी व बिजली का कार्य
- मेट्रो की संचालित परियोजना व 2021 तक प्रस्तावित परियोजनाओं की समीक्षा
- शहर में नाला, नालियों, कचरा इत्यादि की साफ-सफाई व निस्तारण की समीक्षा
- शहर की अन्य विकासीय परियोजनाओं को शामिल किया।